प्रतिदर्श उत्तर तालिका
सत्रांत परीक्षा - 2017-18
हिन्दी- 'ब'
कक्षा दसवीं

समय 3 घंटे　　　　　　　　　　　　　　　　　　　अधिकतम अंकः 80

खंड – 'क'　　　　　　　　　　　　**अंक-15**

1	**अपठित अंश** 2x4, 1x1 =	9
(i)	दुर्जन केवल दूसरों की बुराइयों, दोषों में समय बर्बाद, सज्जन केवल अपने दोषों व कमियों को देखकर उन्हें सुधारने में प्रयासरत।	2
(ii)	आत्मनिरीक्षण आत्मा की उन्नति का सर्वश्रेष्ठ साधन, अपने मन की परख मन को पवित्र करने का उत्तम साधन। यही आत्मबल का परिचय।	2
(iii)	दूसरों के सामने अपनी गलतियों को नजर अंदाज करके उन्हे छुपाना या अपनी भूल न मानना न स्वयं को दोषी स्वीकार करना सबसे बड़ी कायरता।	2
(iv)	सज्जन व्यक्ति अपने मन को टटोलते है। गाँधी व कबीर जैसे सज्जन व्यक्ति सबसे पहले स्वयं को परखते थे। सज्जन व्यक्ति को लगता है कि अभी भी शायद उनमें कोई कमी रह गई है।	2
(v)	"बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलया कोय"	1
2	अपठित काव्यांश	2X3=6
(i)	कवि का उन लोगों का प्रणाम जो अपने लक्ष्य में सफलता प्राप्त नहीं कर सके। यद्पि उन्होंने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया था, पर परिस्थितिवश उन्हे इच्छित लक्ष्य की प्राप्ति न हो सकी। यह बात देश को स्वतंत्र करवाने के संदर्भ में कही गई।	2
(ii)	छोटी सी नैया से कवि का आशय है सीमित साधनों के बलबूते पर उन लोगों ने सागर को पार करने की ठानी थी। यह सागर अंग्रेजी साम्राज्य था, देशभक्त उससे सीमित साधनों के बलबूते पर टक्कर लेना चाह रहे थे।	2
(iii)	जो व्यक्ति अपने लक्ष्य को पाने में असफल रहे अब वे अंग्रेजो द्वारा पकड़े जाने पर फाँसी के फंदे पर झूल गए। कुछ दिन बीतने के बाद दुनिया उनको भूल गई, हाँ कवि को उनका स्मरण अवश्य है।	2
	खंड - ख	
3 क)	वर्णों के मेल से बना स्वतंत्र सार्थक ध्वनि समूह 'शब्द' कहलाता है। जब वही शब्द व्याकरणिय नियमों के अनुसार वाक्य में प्रयुक्त होते हैं तब वही शब्द पद बन जाता है।	2

ख) (i)	सरल – उनके आने पर तुम छिप जाना।	3
(ii)	मिश्र - गौरव ने अक्षय से कहा कि वह भी नेपाल चले	
(iii)	संयुक्त - वह पढ़ता भी है और काम भी करता है।	
4. (क)	कलाकुशल - तपुरूष समास यथासंभव-अव्ययी भाव समास	½ x4=2
ख)	संसाररूपी सागर - कर्मधारय	½ x4=2
	सात सौ दोहों का समाहार - द्विगु समास	
5 (क) (i)	मुझे गरम दूध का एक गिलास दीजिए।	4
(ii)	देश के सारे नागरिक कर्तव्य निष्ठ है।	
(iii)	रोगी मोहन को सेब काटकर खिलाओ	
(iv)	देश शहीदों का सदा आभारी रहेगा।	
5 (ख) (i)	मुहावरा - आटे दाल का भाव मालूम होना या अन्य कोई उपयुक्त मुहावरा	1
(ii)	एक ही बात को बार-बार कहना व उपयुक्त वाक्य	1
	खंड - 'ग'	
6 (i)	गाँधी जी के नेतृत्व में लाखों लोग एकजुट, अंग्रेजी शासन की नीद हराम, अनेक आंदोलन, जन साधारण ने बढ़-चढ़कर गाँधी जी का साथ दिया।	2
(ii)	समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार, उच्च वर्ग का दबदबा, अस्थिरता, भाई भतीजावाद व लोगों का अवसरवादी होना।	2
(iii)	वामीरो के मधुर गीत से तँतारा की तंद्रा टूटी।	1
7	बड़े भाई साहब का चरित्र - छोटे भाई के प्रति विशेष स्नेह, स्वयं की इच्छाओं पर नियत्रंण, जीवन की समझ स्वयं को छोटे भाई के लिए आदर्श बनाने का प्रयास अनुशासित। अथवा वजीर अली, साहसी, क्रोधी/गुस्सैल, न्यायप्रिय अनुशासित, जाँबाज वीर बुद्धिमान	5
8 (i)	विपरीत परिस्थितियों में जीवों द्वारा आपसी वैर भुलाकर मिल-जुलकर रहने के संदेश जैसे जंगल के पशुओं द्वारा ग्रीष्म ऋतु में सरोवर के पास एक रहने का उदाहरण।	2
(ii)	कविता में प्रकृति को मनुष्य की भाँति कल्पित किया है। पहाड़ द्वारा तालाब के दर्पण में आपसी सूरत निहारना, झरनों को मोती स्वरूप, पेड़ो का भय से धंसना बादलों व बिजली का रथ पर सवार होना इत्यादि।	2
(iii)	सहायक न मिलने पर भी कवि का बल व पौरूष कायम रहना चाहिए व संघर्ष करने की शक्ति होना चाहिए।	1
9	मनुष्यता कविता का संदेश	5

	सर्वस्व परोपकार के लिए न्यौछावर हमारा मन, कर्म, वचन में उदारता परहित सर्वोपरि, आपसी भेद-भाव व द्वेष भाव मिटाकर एक हो जाने का संदेश, धन का लालच नहीं करना चाहिए, मानव सेवा ही ईश्वर पूजा का संदेश अथवा देश की रक्षा करना सबसे बड़ा धर्म व कर्तव्य, देश के मान के लिए सर कटवाने को भी तैयार, रावण रूपी शत्रुओं का नाश, इतना आत्मबल हो कि दुश्मन की चाल का मुँहतोड़ जवाब देने में सक्षम	
10	आधुनिक युग रिश्ते भावनाओं की सीमाओं से परे केवल धन-दौलत पर आधारित, हरिहर काका अपनी मर्जी से चाहे सब कुछ अपने भाइयों को ही देते लेकिन भाइयों के लालच व आतुर स्वभाव के कारण उनकी असलियत सामने आ गई, महंत यूं तो धर्म का ठेकेदार परंतु वह भी लालच के कारण इंसानियत की सारी हदों कों पार कर गया। हरिहर काका को न तो अपनों से प्यार मिला व दूसरों से हमदर्दी। आज के रिश्ते केवल दिखावे के लिए व अंदर से खोखले। अथवा टोपी की मित्रता एक अन्य धर्म के लड़के से, उसकी दादी से उसे अपनापन महसूस होता था। वह ज्यादा से ज्यादा समय अपने मित्र की दादी के साथ बिताना चाहता था। दादी और पोते के मित्र के बीच लंबा उम्र का अंतराल परंतु दोनों के मन मिल गए, टोपी को जो प्यार अपने घर में न मिलता वह उसे मित्र, उसकी दादी व अपने घर की नौकरानी से पाने की कोशिश करता।	**5**
	खंड -'घ'	
11	अनुच्छेद लेखन प्रारूप - 1 अंक विषय वस्तु - 2 अंक भाषा - 1 अंक अंत - 1 अंक	**5**
12	औपचारिक पत्र पत्र प्रारूप - 2 अंक विषय-वस्तु - 3 अंक	**5**
13	सूचना लेखन लेखन प्रारूप - 2 अंक विषय-वस्तु - 3 अंक	**5**

14	संवाद लेखन भाषा शैली - 2 अंक विषय-वस्तु - 3 अंक	**5**
15	विज्ञापन लेखन प्रारूप - 1 अंक भाषा - 1 अंक विषय-वस्तु - 3 अंक	**5**